2024

HINDI

Paper : HIND010104

(हिन्दी संप्रेषण)

Full Marks : 60 *Time : 2.5 Hours*

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर पुर्ण वाक्य में दीजिए ः *1x7=7*

क) संप्रेषण से आपका क्या अभिप्राय है?

ख) संप्रेषण की प्रक्रिया में वैयक्तिक अवरोध का एक उदाहरण दीजिए।

ग) भृकुटि तनाव किस प्रकार का संप्रेषण है?

घ) व्यंजन ध्वनि कितने है?

ङ) लोकोक्ति क्या है?

च) प्रेमचंद का मूल नाम क्या था?

छ) संप्रेषण की एक विशेषता का उल्लेख कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नो के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : *2x4=8*

क) प्रभावी संप्रेषण में ध्यान देने वाली दो बातों का उल्लेख कीजिए।

ख) संप्रेषण के दो प्रमुख तत्वों को रेखांकित कीजिए।

ग) अनुच्छेद लेखन को परिभाषिक कीजिए।

घ) अनुनासिक ध्वनि किसे कहा जाता है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : *5x3=15*

क) संप्रेषण के प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

ख) बिजली की कटौती के कारण पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों की चर्चा करते हुए, इसमें सुधार के लिए अपने इलाके के विद्युत अभियंता को एक पत्र लिखिए।

ग) डॉक्टर और मरीज के बीच बातचीत का एक नमुना प्रस्तुत कीजिए।

घ) अपना परिचय देते हुए किसी ऐसे विशेष व्यक्ति के बारे में लिखिए जिनके व्यक्तित्त्व से आप प्रभावित है।

ङ) निम्नलिखित वाक्य या वाक्यांशों में से किसी एक का भाव-पल्लवन कीजिए :

अ) सत्ता की भूख ज्ञान की वर्तिका को बुझा देती है।

आ) श्रम से कमाया हुआ धन ही जीवन को पवित्र बना सकता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के सम्यक उत्तर दीजिए : *10x3=30*

क) भाषा एवं संप्रेषण के पारस्परिक संबंध को स्पष्ट करते हुए संप्रेषण के महत्व पर प्रकाश डालिए।

ख) दो दिन के अवकाश मांगते हुए महाविद्यालय के अध्यक्ष को एक आवेदन पत्र लिखिए।

ग) संय का महत्व शीर्षक विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

घ) जनसंख्या विस्फोट अथवा वर्तमान शिक्षा प्रणाली बिषय पर एक निबंध लिखिए।

ङ) निम्न लिखित गद्यांश को पढ़कर उसे नीचे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मनुष्य के जीवन में ज्ञान का अत्यधिक महत्व है। ज्ञान वह प्रकाश है जो अज्ञानता के अंधकार को दुर करता है और व्यक्ति को सही और गलत का भेद सिखाता है। ज्ञान ही वह साधन है, जिसके द्वारा मनुष्य अपने जीवन को सार्थक और सफल बना सकता है। ज्ञान केवल पुस्तकीय जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे अनुभवों, परिस्थितियों और दुसरों से मिली सीख से भी जुड़ा होता है। एक सच्चा ज्ञानी वह है,

जो निरंतर सीखने की प्रक्रिया में लगा रहता है और अपनी गलतियों से भी सबक लेता है। आज के युग में, जहाँ तकनीकी और विज्ञान तेजी से विकसित हो रहे हैं, वहाँ केवल डिग्री या प्रमाण-पत्र पर्याप्त नहीं हैं, हमें अपनी ज्ञानवर्धन की प्रक्रिया को जीवन भर जारी रखना चाहिए। किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए ज्ञान का अद्यतनीकरण अनिवार्य है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम जीवन भर सीखते रहें और अपने ज्ञान को दुसरों के साथ भी साझा करें। केवल तभी हम एक बेहतर समाज और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार कर सकते हैं।

प्रश्न :

अ) गद्यांश के अनुसार, ज्ञान का जीवन में क्या महत्व हैं? २

आ) सच्चा ज्ञानी किसे कहा गया? २

इ) क्या केवल पुस्तकीय जानकारी को ही ज्ञान माना जा सकता है? २

ई) आज के युग में ज्ञान को अद्यतन रखना क्यों आवश्यक है? २

उ) गद्यांश के अनुसार, समाज और राष्ट्र के बिकास के लिए क्या आवश्यक है? २